PRATHAM - SHAH PraDigi INNOVATION CENTER
प्रडिजि

सिक्के को डिकोड करना

यह ब्रिटिश भारत का 200 साल पुराना सिक्का है। इसे ईस्ट इंडिया कंपनी नामक एक ब्रिटिश कंपनी द्वारा जारी किया गया था।

'अग्र-भाग' या चित

'पृष्ठ-भाग' या पट

इस सिक्के के अग्रभाग पर हमें महारानी विक्टोरिया का चित्र दिखाई देता है।

महारानी विक्टोरिया कभी ब्रिटेन की रानी थीं और भारत पर भी राज करती थीं।

हम जानते हैं कि यह महारानी विक्टोरिया हैं क्योंकि ऐसा सिक्के पर लिखा है।

सिक्के के पीछे हमें पत्तियों और
जामुनों का एकअर्धवृत्त दिखाई देता है
जो अंग्रेजों से जुड़ा एक प्रतीक था।

इसमें वर्ष - 1840 और सिक्के का
मूल्यवर्ग - एक रुपया बताया गया है

मूल्यवर्ग अंग्रेजी और उर्दू
दोनों में लिखा गया है।

हमने क्या सीखा?

- इस सिक्के से हमें पता चला कि
  सन् 1840 में अंग्रेज भारत में थे
- ईस्ट इंडिया कंपनी एक मुद्रा का
  निर्माण कर रही थी जिसका हम
  आज भी उपयोग करते हैं - एक रुपया।
- हमें यह भी पता चला कि अंग्रेजी
  और उर्दू उस समय बोली जाने वाली
  कुछ भाषाए थीं।

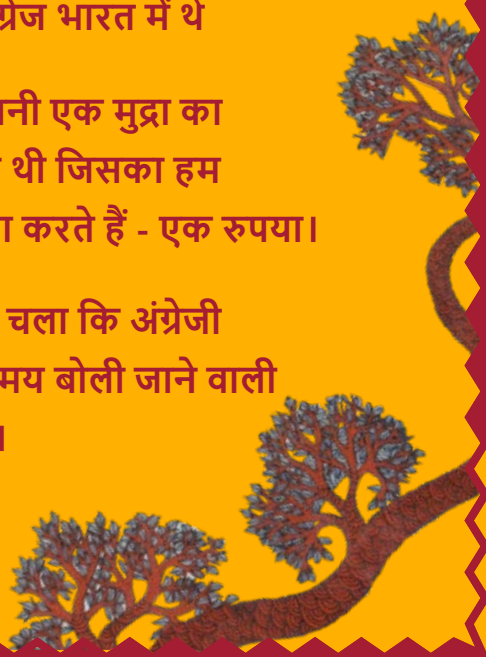

मज़ेदार तथ्य

यह सिक्का कलकत्ता में बनाया गया था,
लेकिन इसमें अर्धचंद्र का चिह्न नहीं है।

**तो क्या आपने देखा कि
कैसे सिक्के हमें अतीत के
बारे में जानकारी दे सकते हैं?**

**इस तरह से सिक्के एक ऐसी
महत्वपूर्ण वस्तु बन जाते हैं
जिन्हें बारीकी से देखा जाना चाहिए।**